प्रमुख सचिव, मत्स्य विभाग की अध्यक्षता में मत्स्य विभाग, उ0प्र0 के (वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से) मण्डलीय अधिकारियों की माह अक्टूबर 2016 की मासिक समीक्षा का कार्यवृत्त।

दिनांकः 07 अक्टूबर 2016 समयः अपरान्ह 11:00 बजे

स्थानः एन0आई0सी0केन्द्र, योजना भवन, लखनऊ।

प्रमुख सचिव मत्स्य की अध्यक्षता मे दिनांक 07 अक्टूबर 2016 को अपरान्ह 11:00 बजे एन0आई0सी0 केन्द्र योजना भवन, लखनऊ के वीडियो कान्फ्रेंसिंग हाल में सम्पन्न हुयी। उक्त समीक्षा में विशेष सचिव, मत्स्य विभाग उ0प्र0 शासन, निदेशालय के समस्त अधिकारियों सहित मुख्य महाप्रबन्धक, उ0प्र0 मत्स्य विकास निगम लि0 तथा प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ उपस्थित थे।

माह सितम्बर 2016 तक विभिन्न विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों की प्रगति के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गयी जिससे सम्बन्धित बिन्दुवार विवरण निम्नलिखित हैः-

1- ब्लू रिवोल्यूशन इन्ट्रीग्रेटेड डेवलेपमेंट एण्ड मैनेजमेंट आफ फिशरीज (नीली क्रान्ति):-

पूर्व की बैठको मे उक्त योजना की गाईड लाईन के अनुसार प्रस्ताव (डी0पी0आर0) समय से प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये थे, जिसके क्रम में 75 जनपदों में से 70 जनपदों द्वारा डी0पी0आर0 प्रस्तुत की गयी जो पूर्ण हैं तथा शेष 05 जनपदों में से जनपद गौतमबुद्धनगर द्वारा डी0पी0आर0 उपलब्ध कराने में असमर्थता व्यक्त की गयी तथा शेष 04 जनपदों यथा- चित्रकूट, झाँसी, **शाहजहाँपुर तथा गाजियाबाद से** प्राप्त डी0पी0आर0 में कमियां पायी गयी जिसके सम्बन्ध में सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आज ही निदेशालय के अधिकारियों से सम्पर्क कर डी0पी0आर0 की कमियों को दूर करायें।

(कार्यवाही- उ0नि0म0(नि0), संबंधित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

2- विभागीय मत्स्य प्रक्षेत्रों पर स्पान संचय, मत्स्य बीज उत्पादन/वितरण, व्यय-

विभागीय प्रक्षेत्रों से निर्धारित 675 लाख मत्स्य बीज उत्पादन के लक्ष्य के सापेक्ष्य 30 सितम्बर तक 538.41 लाख मत्स्य बीज उत्पादित कर वितरित कराया गया। 10 खराब प्रगति वाले जनपद यथा- बस्ती, देवरिया, प्रतापगढ, आगरा, संतकबीरनगर, मैनपुरी, फतेहपुर, कुशीनगर, आजमगढ तथा सिद्धार्थनगर की स्थिति पर खेद व्यक्त करते हुए सम्बन्धित जनपदीय/मण्डलीय अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि शेष लक्ष्यों की पूर्ति कामन कार्प मत्स्य बीज का उत्पादन कर पूर्ण किया जाये। भौतिक लक्ष्यों के अतिरिक्त वित्तीय लक्ष्यों की प्रगति जनपद आगरा, मैनपुरी, आजमगढ, मऊ, बलिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, महोबा, जौनपुर एवं मिर्जापुर में शून्य पायी गयी। इस सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि लक्ष्यानुरूप मानक धनराशि रू0 6500.00 प्रति लाख की दर से मदवार व्यय कोषवाणी से मिलान करते हुए आहरण वितरण अधिकारी सुनिश्चित करें तथा व्यय एवं आय की सूचना तत्काल निदेशालय को उपलब्ध करायें, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

संयुक्त निदेशक मत्स्य द्वारा बताया गया कि विभागीय प्रक्षेत्रों के संचालन हेतु 42 अन्य व्यय मद में आवंटित धनराशि का शत्प्रतिशत् व्यय करके उपभोग की सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश निदेशालय पत्रांक 999/सामान्य शाखा दिनांक 13.07.2016 के द्वारा दिये गये थे किन्तु अभी तक जनपद- आगरा, मैनपुरी, आजमगढ, मऊ, बलिया, बरेली शाहजहाँपुर, बस्ती, इटावा, हरदोई, झांसी, जालौन, महोबा एवं मिर्जापुर से प्राप्त नहीं हुए हैं जिसके कारण डीजल मद में रोकी गयी धनराशि के पुर्नविनियोग का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। जिस पर खेद व्यक्त करते हुए सम्बन्धित जनपदीय/मण्डलीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि तत्काल वांछित सूचना उपलब्ध करायी जाये अन्यथा की दशा में सम्बन्धित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

(कार्यवाही-उ0नि0म0(नि0), स0नि0म0(सा0), सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

3- समस्त स्त्रोतों से मत्स्य बीज वितरण-

समस्त स्त्रोतों से मत्स्य बीज वितरण हेतु मदवार निर्धारित लक्ष्य (निगम हैचरियों से मत्स्य बीज लिफ्टिंग के लक्ष्य 3094 लाख के सापेक्ष्य 1753.62 लाख, विभागीय प्रक्षेत्रों के लक्ष्य 675 लाख के सापेक्ष 517.57 लाख, निजी क्षेत्र के निर्धारित लक्ष्य 11645 लाख के सापेक्ष्य 18831.99 लाख एवं छोटी रियरिंग इकाई के लक्ष्य 3825 लाख के सापेक्ष्य 4433.49 लाख कुल लक्ष्य 19239 लाख के सापेक्ष्य 25536.67 लाख की उपलब्धि सुनिश्चित की जा चुकी है जो लक्ष्य का 130.39 प्रतिशत है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि सबसे न्यूनतम प्रगति वाले जनपद यथा-एटा, श्रावस्ती, शामली, गौतमबुद्धनगर,कासगंज, संतकबीरनगर, कानपुरनगर, मुजफ्फरनगर, मथुरा एवं फर्रूखाबाद की है जिस पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए समस्त मण्डलीय/जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समयबद्ध निर्धारित

कमिक लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित की जाये। साथ ही संयुक्त निदेशक मत्स्य को निर्देशित किया गया कि न्यूनतम प्रगति वाले जनपदों पर विशेष ध्यान दें।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0),स0नि0म0(सा0),समस्त मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

4– वर्ष 2015–16 के सापेक्ष्य बकाया मत्स्य बीज अंगुलिका मूल्य की जमा/अवशेष धनराशि–

समीक्षा के दौरान मत्स्य प्रक्षेत्रों से प्राप्त आय को तत्काल कोषागार में जमा करने के निर्देश दिये गये जिस पर विभागीय अधिकारियों द्वारा समस्या व्यक्त की गयी इस सम्बन्ध में अनुसचिव तथा वित्त एवं लेखाधिकारी को निर्देशित किया गया कि पुर्नविनियोग के माध्यम से द्वितीय अनुपूरक का प्रस्ताव बनाकर बजट की व्यवस्था सुनिश्चित करायें इस हेतु पिछली बैठक में भी निर्देश दिये गये थे जिस पर तत्काल कार्यवाही अपेक्षित है ताकि प्रकरण का निस्तारण यथाशीघ्र सम्पन्न कराया जा सके।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0), वि0 एवं लेखाधिकारी, स0नि0म0(सा0), सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

5–जलाशयों के निस्तारण एवं अद्यावधिक स्थिति(माह अगस्त 16 तक की सूचना):––

मत्स्य विभाग के श्रेणी एक, दो, तीन एवं चार के कियाशील जलाशयों की संख्या 358 है जिसके सापेक्ष्य 315 जलाशयों की नीलाम की जा चुकी है शेष 43 जलाशय नीलामी हेतु अवशेष है। उपनिदेशक मत्स्य सहारनपुर को विवादित जलाशयों के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि वह तत्काल सम्बन्धित जिलाधिकारी से व्यक्तिगत सम्पर्क करें तथा जो जलाशय न्यायालय में विचाराधीन है उनकी वकील के माध्यम से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करायें। इसके अतिरिक्त सम्बन्धित उपनिदेशकों को निर्देशित किया गया कि 20 अक्टूबर 2016 तक जलाशयों की नीलामी की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0), स0नि0म0(सा0), सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

6– डा0राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना:–

इस योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 हेतु माह सितम्बर 2016 तक कुल 211 लक्षित ग्रामों के सापेक्ष 150 ग्रामों का संतृप्तीकरण कराया गया तथा अवशेष 61 लक्षित ग्रामों के शत्प्रतिशत संतृप्तिकरण हेतु जनपदीय/मण्डलीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

समीक्षा के दौरान वर्ष 2015–16 में जनपद लखीमपुर खीरी के विभागीय जनपदीय अधिकारी को सचेत करते हुए निर्देशित किया गया कि एक अवशेष ग्राम के संतृप्तीकरण की कार्यवाही तत्काल पूर्ण करायें। समीक्षा के दौरान निम्न प्रगति वाले जनपदों जैसे– मैनपुरी, मऊ, अलीगढ़, बहराइच, श्रावस्ती, फैजाबाद, सुल्तानपुर, शाहजहांपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, अमरोहा, लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, इलाहाबाद, फतेहपुर, प्रतापगढ़, बरेली, बदायूँ पीलीभीत एवं शाहजहांपुर के जनपदीय/मण्डलीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये गये तथा उक्त योजनान्तर्गत निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति दिनांक 31 अक्टूबर तक करने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0),स0नि0म0(नि0), सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

7– मत्स्य पालक विकास अभिकरण योजना–

उक्त योजना की समीक्षा में पाया गया कि पूर्व आवंटित धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध नहीं कराया गया है। इस हेतु वर्ष 2015–16 में आवंटित धनराशि के सापेक्ष्य अवशेष 65 लाख के सापेक्ष्य व्यय 48.22 लाख (केन्द्रांश) का उपभोग किया जा चुका है शेष धनराशि 16.78 लाख का उपभोग जल्द से जल्द किये जाने के निर्देश के साथ ही उपभोग प्रमाण पत्र निदेशालय को 31 अक्टूबर 2016 तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0),स0नि0म0(नि0),सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

8– जलप्लावित क्षेत्र में मत्स्य विकास योजना–

वर्ष 2016–17 में आबंटित बजट के सापेक्ष्य रू0–20.93 लाख का व्यय किया जा चुका है। जनपद आजमगढ़, मऊ, इलाहाबाद, इटावा, जालौन, बदायूँ, पीलीभीत, सीतापुर तथा सहारनपुर के जनपदीय/मण्डलीय अधिकारियों को इस सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि आबंटित धनराशि का लक्ष्यानुरूप व्यय सुनिश्चित करते हुए उपभोग प्रमाण पत्र 31 अक्टूबर 2016 तक मुख्यालय को प्रेषित करें ताकि द्वितीय किश्त की धनराशि अवमुक्त की जा सके।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0),स0नि0म0(नि0),सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

9– तालाब पट्टा आवंटन–

राजस्व परिषद के स्तर से वित्तीय वर्ष 2016–17 में ग्राम समाज के तालाबों के पटटा आवंटन के संशोधित लक्ष्य 70104 हे0 कर दिया गया है जिसके सापेक्ष्य माह सितम्बर 2016 तक 3231.62 हे0 की उपलब्धि प्राप्त हुई है

जो वार्षिक लक्ष्य का 4.61 प्रतिशत है। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि न्यूनतम प्रगति वाले 11 जनपद यथा– फैजाबाद, रायबरेली, लखीमपुरखीरी, सीतापुर, गोण्डा, बस्ती, अमेठी, बहराइच, कौशाम्बी, फतेहपुर एवं संतरविदासनगर जिनकी प्रगति 1.5 प्रतिशत से भी कम है। उक्त के सम्बन्ध में अप्रसन्नता व्यक्त की गयी तथा साथ ही सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क स्थापित कर, तालाबों की सूची, प्राप्त कर पट्टों के सम्बन्धित लक्ष्य पूर्ति 31 अक्टूबर तक कराया जाना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0),स0नि0म0(नि0),सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

10– मोबाईल फिश पार्लर योजना–

वर्ष 2016–17 के अन्तर्गत मोबाईल फिश पार्लर योजना के अन्तर्गत 10 जनपदों मे लक्ष्य के अनुरूप चयन की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है तथा मोबाईल फिश पार्लर शीघ्र पूर्ण कराकर जिला स्तर पर संचालित कराने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0), स0नि0म0(नि0),सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

11– झींगा पालन योजना–

उक्त योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 में लक्ष्य के सापेक्ष्य समय से लक्ष्य की पूर्ति 31 अगस्त 2016 तक करने के निर्देश दिये गये थे। समीक्षा के दौरान यह तथ्य भी आया कि दो जनपदों यथा– मुजफ्फरनगर एवं शामली, में अभी तक लाभार्थियों का चयन नहीं हो पाया है जिस पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिये गये कि जनपदीय एवं सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारियों को तत्काल प्रयास करते हुए लाभार्थी चयनित कर तत्काल सूचना निदेशालय को उपलब्ध करायी जाये। इसके अतिरिक्त समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जो जनपदीय अधिकारी इस योजना को अपने जनपद में चलाने का इच्छुक हो वह तत्काल इसका प्रस्ताव निदेशालय को प्रेषित करें।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(सहारनपुर),स0नि0म0(सहारनपुर))

12– विभागीय सम्पत्तियों के अमलदरामद एवं परिसम्पत्तियों का विवरण–

समीक्षा में पाया गया कि विभागीय परिसम्पत्तियों की पंजिका तैयार कर सूचना उपलबध कराये जाने के निर्देश निदेशालय से प्रसारित किये गये थे परन्तु इलाहाबाद मण्डल के जनपद प्रतापगढ, अलीगढ़ मण्डल जनपद एटा एवं कासगंज, आगरा मण्डल, मुरादाबाद मण्डल, सहारनपुर मण्डल तथा देवीपाटपन मण्डल से उक्त सूचनायें अभी तक प्राप्त नहीं हुयी है जिस हेतु खेद व्यक्त किया गया साथ ही निर्देशित किया गया कि पूर्व बैठक में समीक्षा के दौरान जो निर्देश दिये गये थे उसके क्रम में तत्काल सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0),स0नि0म0(सा0),सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

13– मनरेगा योजना–

संबंधित जनपदो को योजनान्तर्गत 2016–17 में प्राप्त धनराशि का व्यय ससमय किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।मनरेगा द्वारा सुधारे गये 33 हजार तालाबो मे से मत्स्य आच्छादन योग्य तालाबो पर अभी तक कार्यवाही नही किया जाना लापरवाही का द्योतक है अतः अविलम्ब कार्यवाही अपेक्षित है।

(कार्यवाही–उ0नि0म0(नि0),स0नि0म0(नि0), समस्त मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)

14– सहकारिता सम्बन्धी–

मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को आवंटित जलक्षेत्र की प्रगति समीक्षा की गयी जिसमें प्रदेश की कुल 831 सक्रिय मत्स्य जीवी सहकारी समितियों में से कुल 410 समितियों को 10706 हे0 का जलक्षेत्र आबंटित कराये जाने की सूचना प्राप्त है जो संतोषजनक नहीं है। इस सम्बन्ध में समस्त जनपदीय/मण्डलीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद की समस्त मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को पट्टा आवंटन कराने में प्राथमिकता प्रदान की जाये जिससे समितियॉ सक्रिय रहे तथा समितियॉ निष्क्रिय न होने पायें।

समितियों के निर्वाचन की प्राप्त सूचना के अनुसार अभी 196 समितियॉ निर्वाचन हेतु अवशेष हैं जो खेदजनक है सहकारी निर्वाचन आयोग एवं मत्स्य निदेशालय द्वारा अनेकों बार नियत निर्वाचन तिथि पर समितियों का निर्वाचन कराने हेतु निर्देशित किया गया है किन्तु कतिपय जनपद एवं मण्डल द्वारा अपेक्षित रूचि न लेने के कारण शत्प्रतिशत् समितियों का निर्वाचन सम्पन्न नहीं हो सका है। इस सम्बन्ध सचेत किया गया कि समस्त जनपद अपनी निर्वाचन योग्य अवशेष मत्स्य जीवी सहकारी समितियों का जिला सहायक निर्वाचन अधिकारी से सम्पर्क स्थापित कर यथाशीघ्र निर्वाचन कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सं0निबं0(सह0),सम्बन्धित मण्डलीय/जनपदीय अधिकारी)